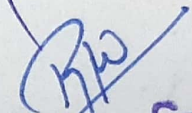


9/19

पत्रवाली धीरा हूँ। वाही जण का बाद इरम हजरी व  
इरम धीरा में स्वयंसेवा किया जा युद्धा है इसकी  
प्रतिष्ठा का भी स्वयंसेवा किया जा रहा है पत्रवाली  
के लिये युद्धा होकर वास्तव में का है तथा बाद  
आकाश में लक्षण बाद है।

  
रूप खण्ड अधिकारी  
वीरकाशिम (अखबर)